सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉन ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-272 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, शुक्रवार 06 जून , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया निर्माणाधीन ईसरदा बांध, चम्बल एक्काडक्ट कार्यों का हवाई निरीक्षण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना के अंतर्गत विभिन्न कॉम्पोनेंट्स का हवाई निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन ईसरदा बांध, नवनिर्मित नवनेरा बैराज और चम्बल नदी पर एक्काडक्ट के निर्माण कार्यस्थलों का जायजा लिया। शर्मा ने राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी परियोजना) के लिए महत्वपूर्ण एक्काडक्ट के कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह जल परियोजनाओं को आपस में जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। परियोजना जल संरक्षण और सिंचाई विस्तार को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री शर्मा ने निरीक्षण के बाद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि

कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं, ताकि आमजन तक समयबद्ध पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने परियोजना के तहत नवनेरा बैराज के निकट प्रस्तावित पम्प हाउस का कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश प्रदान किए।

शर्मा को जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस एक्काडक्ट के जरिए रामगढ़ (कूल नदी), महलपुर (पार्वती नदी) व नवनेरा (कालीसिंध नदी) बैराज का पानी चम्बल नदी को पार कराकर मेज बैराज में डाला जाएगा। इसके बाद पानी बीसलपुर और ईसरदा बांध तक लिफ्ट प्रणाली द्वारा पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि 2280 मीटर लम्बे इस एक्काडक्ट का एक छोर कोटा के पीपल्दा समेल गांव में और दूसरा छोर बूंदी के गोहाटा गांव से जोड़ा जाएगा।

एक्काडक्ट के निर्माण से जल प्रबंधन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही, कोटा की सुल्तानपुर तहसील के लोगों को बूंदी होते हुए कोटा-सवाईमाधोपुर हाईवे से एक नया पक्का सड़क मार्ग भी उपलब्ध होगा। हवाई निरीक्षण में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अभय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी साथ रहे।

क्या हम चंद व्यापारिक सौदों के लिए युद्धविराम करते हैं? सरकार को जवाब देना होगा-पायलट

टोंक। राजस्थान के टोंक में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भारत-पाकिस्तान के बीच हाल के सीजफायर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावों पर तीखा बयान दिया. पायलट ने कहा कि उन्हें खेद है कि युद्धविराम की घोषणा सबसे पहले ट्रम्प ने की, न कि भारत सरकार ने. उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, जिससे पाकिस्तान तिलमिला गया. पायलट ने 1971 के युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि तब भारत ने 95,000 पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बनाया और पाकिस्तान ने आत्मसमर्पण कर दिया था।

पायलट ने ट्रम्प के बार-बार के दावे कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्यापार के लालच और दबाव से सीजफायर कराया पर सवाल उठाए. ट्रम्प ने 11 बार दावा किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान को

युद्ध रोकने के लिए व्यापार का प्रस्ताव दिया. भारत सरकार ने ट्रंप के इस दावे का पुरजोर खंडन किया है. इस मसले पर पायलट ने कहा कि सरकार को इस पर और स्पष्ट जवाब देना चाहिए. उन्होंने पूछा, 卐क्या हम चंद व्यापारिक सौदों के लिए युद्धविराम करते हैं? अगर नहीं, तो सरकार को जवाब देना होगा।

पायलट ने ट्रम्प के कश्मीर मध्यस्थता के प्रस्ताव को भी खारिज करते हुए कहा कि यह भारत-पाकिस्तान का द्विपक्षीय मामला है. अमेरिका को इसमें हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है. उन्होंने सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की. टोंक विधानसभा से विधायक सचिन पायलट ने यह बयान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया है।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा पर सीएम भजनलाल शर्मा ने किया पौधारोपण

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जमवारामगढ़ में पौधारोपण किया। साथ ही, शर्मा ने जलेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया तथा श्रमदान किया।

जयपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का हुआ भव्य आगाज

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशमी के अवसर पर राजधानी जयपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का भव्य आगाज हुआ। जिले के सभी उपखण्डों में कलश यात्रा, जल स्त्रोत पूजन, जागरुकता रैल एवं शपथ सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा जयपुर के गलता तीर्थ के ऋषि गालव कुण्ड मे के नेतृत्व में श्रमदान किया। वही जनाना कुण्ड में गंगा पूजन एवं गंगा आरती भी की जिसमें आम श्रद्धालुओं की भागीदारी पूर्ण रूप से देखी गई। कार्यक्रम में सैंकड़ों जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारियों सहित आम जन ने अपनी भागिदारी सुनिश्चित की।

जिला परिषद की मुख्यकार्यकारी अधिकारी ने बताया कि 5 जून से 20 जून तक आयोजित हो रहे इस अभियान के अर्न्तगत ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, वन विभाग, जल संसाधन एवं अन्य विभागों के 56.49 करोड़ की लागत के 1778 कार्यो का लोकार्पण किया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार ने बताया कि पूजनीय गालव ऋषि की इस तपो भूमि को श्रमदान कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर एवं उपयोगी बनाने के लिए जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा हैं। इस दौरान आयुक्त नगर निगम हेरिटेज अरुण कुमार हसीजा, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम हैरिटेज सुरेन्द्र यादव, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त महेन्द्र देवतवाल, निरीक्षक उत्तम शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के पहले दिन जयपुर के सभी उपखंडों में पौधारोपण, कलश यात्रा, धार्मिक स्थलों पर धार्मिक कार्यक्रम, पीपल पूजन, जागरूकता रैली, सामूहिक शपथ एवं जल स्त्रोत पूजन सहित अन्य विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

चौमूं में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली पेंटिंग बनाई, विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने पौधारोपण किया, साथ ही सामूहिक शपथ का आयोजन किया गया। वहीं, माधोराजपुरा में भी स्कूली बच्चों, एनसीसी एवं स्काउट गाइड ने जागरूकता रैली निकाल कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान तालाब पूजन का भी आयोजन हुआ।

वहीं, सांगानेर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत भव्य कलश यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर जल संरक्षण का संदेश दिया। इस प्रकार तुंगा, बस्सी, किशनगढ़ रेनवाल सहित अन्य स्थानों पर भी अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। अभियान के ही दिन राज्य सरकार की इस पहल का आमजन एवं जनप्रतिनिधियों का भरपुर समर्थन मिला।

राजस्थान में अवैध खनन का 'तांडव' जारी, खान ढहने से दो श्रमिकों की मौत

भीलवाड़ा। राजस्थान में अवैध खनन ने फिर दो घरों के चिराग बुझा दिए। भीलवाड़ा जिले के बागोर थाना क्षेत्र के दादिया गांव में बुधवार शाम एक अवैध खदान ढहने से दो श्रमिकों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में पुरोहितों का खेड़ा निवासी उदयराम भील (25) और बाज्या खेड़ा निवासी राजकुमार जाट (26) की जान चली गई।

राजस्थान में 'कन्हैयालाल हत्याकांड' की अचानक क्यों होने लगी चर्चा? गहलोत ने ह्ल्ल जांच पर उठाए सवाल

बता दें, करीब 10 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गुरुवार सुबह दोनों के शव बाहर निकाले गए। इस घटना ने क्षेत्र में अवैध खनन की गंभीर समस्या को फिर से उजागर कर दिया है।

खदान में कैसे हुआ हादसा?

बता दें, हादसा बुधवार शाम करीब 6 बजे दादिया गांव के पास चारागाह भूमि पर स्थित एक अवैध क्वार्ट्ज-फेल्सपार खदान में हुआ। यह खदान 150 से 200 फीट गहरी थी और लंबे समय से अवैध रूप से संचालित हो रही थी। दोनों श्रमिक क्रेन की मदद से खदान में सफेद पत्थर निकालने के लिए नीचे उतरे थे।

इसी दौरान अचानक सैकड़ों टन पत्थर और मिट्टी का मलबा ढह गया, जिसके नीचे दोनों दब गए। मलबे के साथ क्रेन का अगला हिस्सा भी टूट गया। बताया जाता है कि अवैध ब्लास्टिंग के कारण खदान की संरचना कमजोर हो गई थी, जिससे यह हादसा हुआ।

रेस्क्यू ऑपरेशन में हुई देरी

हादसे की सूचना मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। शुरुआत में वहां मौजूद मजदूरों और खान संचालक ने शवों को निकालने की कोशिश की, लेकिन गहराई अधिक होने के कारण वे असफल रहे। बागोर पुलिस को सूचना देने के बावजूद पुलिस मौके पर तीन घंटे बाद पहुंची। अजमेर से बुलाई गई राज्य आपदा प्रबंधन (स्ठ्रक्र्न) की टीम भी रात 12 बजे पहुंची।

रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए हाइड्रोलिक क्रेन मंगवाई गई, लेकिन गहराई के कारण शुरुआत में सफलता नहीं मिली। गुरुवार सुबह 6 बजे उदयराम भील का शव और सुबह 9 बजे राजकुमार जाट का शव निकाला गया। दोनों शवों को भीलवाड़ा जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

अवैध खनन पर फिर उठे सवाल

बता दें, यह हादसा क्षेत्र में अवैध खनन की गंभीर समस्या को उजागर कर रहा है, लेकिन जिम्मेदार अभी भी आंख मूंदे हुए हैं। दादिया गांव के आसपास कई जगहों पर अवैध खनन हो रहा है, जिसकी जानकारी खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग को होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बागोर थाना प्रभारी भंवरलाल ने बताया कि गहराई अधिक होने के कारण रेस्क्यू में चुनौतियां आईं। इस घटना ने प्रशासन की लापरवाही और अवैध खनन पर रोकथाम की कमी को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

राजस्थान सरकार जल्द शुरू करेगी 'चलता-फिरता विद्यालय

जयपुर। राजस्थान में शिक्षा विभाग की नई योजना। प्रदेश में करीब 70 हजार सरकारी स्कूल हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के हर कोने में हर बच्चे को शिक्षा मिल सके। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग नई योजना बना रहा है। राजस्थान में घुमंतू जाति के बच्चों के लिए चलता-फिरता विद्यालय यानि 'चल विद्यालय' खोलने की योजना पर अभी विचार चल रहा है।

भजनलाल सरकार का मकसद है कि 'चल विद्यालय' के जरिए उन विद्यार्थियों तक पहुंच बनाई जाएगी, जो घुमंतु जातियों से हैं। इन विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर घुमंतु जाति के बच्चों को प्रवेश देकर उनके ही स्थान पर विद्यालय की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि वो शिक्षा से जुड़कर अपना भविष्य बना सकें।

एक जगह पर 20 बच्चे मिलना है शर्त

राजस्थान में घुमंतू लोग एक जगह से दूसरी जगह चलते फिरते रहते हैं। बताया जा रहा है इस योजना को मूर्त रुप देने के लिए जरूरी है कि एक जगह पर 20 बच्चे मिल जाए। यदि ऐसा होगा तो सरकार एक चलता-फिरता विद्यालय बनाने पर विचार कर रही है। जहां घुमंतू जाति के बच्चे पढ़ लिख सके। जहां भी उनका कबीला या बेड़ा रुकेगा, वहीं विद्यालय भी रुक जाएगा और उन्हें पढ़ाएगा ताकि बच्चों की पढ़ाई में व्यवधान ना आए।

ड्रॉप आउट छात्रों की संख्या में आएगी गिरावट

सरकार की सोच है कि इस पहल से ड्रॉप आउट छात्रों की संख्या में भारी गिरावट आएगी।हालांकि प्रदेश में वर्तमान में निजी स्कूलों से ज्यादा छात्र सरकारी स्कूल में पढ़ रहे हैं।

राजस्थानी मूल के प्रवासियों से कहा बनें भामाशाह

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर 20 अप्रेल कर चेन्नई दौरे पर थे। जहां उन्होंने राजस्थानी मूल के प्रवासियों से इस योजना में भामाशाह बनकर आगे आने को कहा। वहीं प्रवासियों ने भी चल विद्यालय खोलने में हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

अमेरिका की पहली पसंद राजस्थान पर्यटन, प्रमुख दस देश जहां से पर्यटकों ने किया राजस्थान का रुख

जयपुर । यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (यूएसए) व यूनाइटेड किंगडम(यूके) सहित यूरोपिय देशों को राजस्थान पर्यटन खासा पंसद है। राजस्थान में विदेशी पर्यटक यात्राओं में यूएसए व यूके क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर हैं।

राजस्थान पर्यटन की विविधता यूरोप, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका व ऑस्ट्रेलिया से लगातार पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल वर्ष-2024 तक भारत में कुल 9657003 (छियानवे लाख सतावन हज़ार तीन) विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ, जिसमें से 2072407 (बीस लाख बहत्तर हजार चार सौ सात) विदेशी पर्यटकों ने राजस्थान की यात्रा की। विदेशी पर्यटक यात्राओं की यह संख्या राजस्थान पर्यटन की अहमियत इसलिए भी दर्शाती है क्योंकि वर्ष-2023 की तुलना में वर्ष-2024 में प्रदेश विदेशी यात्राओं में 21.92 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई साथ ही वर्ष-2025 की पहले तीन महीने में 788735 (सात लाख अठहत्तर हजार सात सौ

पैतीस) विदेशी यात्राएं हो चुकी हैं।

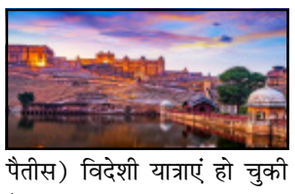

पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक दलीप सिंह राठौड़ के अनुसार राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा विदेशों में आयोजित होने वाले ट्रेवल मार्ट व फेयर्स में भागीदारी का ही परिणाम है कि राजस्थान मे विदेशी पर्यटक यात्राओं में इजाफा हो रहा है। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल एण्ड फ्रेंच ट्रेवल मार्ट (IFTM), टॉप रेसा, पेरिस फ्रान्स, टूरिज्म एक्सपो(JATA), जापान, वर्ल्ड ट्रेवल मार्केट(ड्ड्ढञ्जरू) लंदन, यूके, स्पेन में आयोजित होने वाला इंटरनेशनल ट्रेवल फेयर (स्नढ्ढञ्जक्र) या बर्लिन में आयोजित किया जाने वाले इंटरनेशनल टूरिज्म बोर्स बर्लिन (ढ्ढञ्जक्च) कुछ ऐसे ट्रेवल मार्ट व फेयर हैं जो अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी देश के लिए विदेशी पर्यटक यात्राओं को सुनिश्चित करते हैं। दलीप सिंह राठौड़ ने आगे कहा कि राजस्थान पर्यटन विभाग इन अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश की होटल एसोसिएशन्स, ट्रेवल व टूअर ऑफरेटर्स एसोसिएशन्स व अन्य स्टेक होल्डर्स की भागीदारी को सुनिश्चित करता है, जिससे प्रदेश में विदेशी पर्यटन यात्राओं में वृद्धि हो साथ ही प्रदेश में रोजगार के अवसर भी बढ़े। संयुक्त निदेशक दलीप सिंह राठौड़ ने बताया की प्रदेश में राजस्थान में होने वाली विदेशी पर्यटक यात्राओं के प्रमुख तीस देशों की बात करें तो यूएसए व यूके बाद तकरीबन दस से अधिक यूरोपिय देशों से पर्यटक लगातार राजस्थान का रुख कर रहें हैं, इस कारण से विदेशों में आयोजित होने वाले ट्रेवल मार्ट्स व फेयर्स में प्रदेश पर्यटन की भागीदारी काफी महत्वपूर्ण हो जाती है।पान।

देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिकों को वातानुकूलित ट्रेन से तीर्थयात्रा की योजना

जयपुर । राजस्थान सरकार देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना- 2025 के अन्तर्गत मुख्यमंत्री की बजट घोषणा अनुसार पहली बार वातानुकूलित ट्रेन से तीर्थयात्रा करायी जा रही है। राज्य सरकार द्वारा कुल 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेन से यात्रा कराने की घोषणा की गयी है।

यह वातानुकूलित ट्रेन न केवल वातानुकूलित है, अपितु उसे भव्य रूप में सुसज्जित भी किया गया है। 卐राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन卐 के रूप इस रेलगाड़ी को राजस्थान की प्रकृति व संस्कृति के अनुरूप सुसज्जित किया गया है, जिससे यह अपनी बाह्य रूपरेखा में पैलेस ऑन व्हील्स से भी अधिक भव्य दिखेगी। इस ट्रेन में कुल चौदह कोच हैं, जिसमें दस कोच यात्री कोच हैं। प्रत्येक डिब्बे पर

राजस्थान के वैशिष्ट्य को अलग-अलग थीम पर रखा गया है। जैसे-राजस्थान के दुर्ग, पुरासम्पदा, मंदिर, नृत्य, वाद्य, उत्सव, कला आदि। मरुधरा में सूर्योदय व सूर्यास्त की स्वर्णिम आभा को प्रदर्शित करने के लिए इसकी थीम में पीताभ केसरिया रंग को वरीयता दी गयी है। डिजाइन में राजस्थान के राजसी स्वरूप के साथ-साथ मंदिर व शुभत्व के विविध प्रतीकों व चिह्नों का भी प्रयोग किया गया है।

डिजाइन में राजस्थान की पहचान बने पशु-पक्षियों को भी विशेष स्थान दिया गया है। इनमें गाय व ऊँट के अतिरिक्त रणथम्भौर के बाघ व तालछापर के कृष्णमृग को भी स्थान दिया गया है।

ट्रेन में एक कोच को विशेष रूप से भारतीय सेना में राजस्थान के योगदान को समर्पित किया गया है, जिसमें जैसलमेर वार म्यूजियम, तनोट बॉर्डर, महाजन (महाद्वीप की सबसे बड़ी) फायरिंग रेंज का चित्रण प्रमुख है।

पैंट्री कार में राजस्थान के व्यंजनों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। केर-साँगरी, बाजरे की रोटी, राबड़ी, लस्सी, कुल्फी आदि का प्रदर्शन किया गया है।

इसी प्रकार पॉवर कार को भी विशेष रूप से सुसज्जित किया गया है। कुल मिलाकर प्रयास किया गया है कि राजस्थानी वरिष्ठ जन इस पर सवार होकर अपनी धरती व संस्कृति पर गर्व कर सकें, साथ ही यह ट्रेन जहाँ जाये, वहाँ के जन को भी आकर्षित कर पर्यटन को बढ़ावा दे। यह विशेष रेलगाड़ी अपने शुभारंभ पर सबसे पहले रामेश्वरम् जा रही है। यह यात्रा आठ दिवसीय है, जो देवस्थान विभाग की तीर्थयात्राओं में सर्वाधिक दूरस्थ है। इसमें रामेश्वरम में रामनाथ स्वामी ज्योतिर्लिंग , धनुषकोटि, ब्रह्मकुंड और मदुरै में प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर के दर्शन मुख्य रूप से शामिल है ।

ट्रेन दुर्गापुरा (जयपुर) से रामेश्वरम् मदुरई वाया सवाई माधोपुर दिनांक 06.06.2025 को दोपहर 11.30 बजे दुर्गापुरा (जयपुर) रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। इस गाड़ी में दो स्टेशनों से कुल लगभग 800 यात्री सवार होंगे। उक्त ट्रेन में यात्रियों के आवास, भोजन इत्यादि की समस्त व्यवस्थाएँ देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा की जायेगी फलतः यात्रियों हेतु यात्रा पूर्णतः निःशुल्क रहेगी। इन यात्रियों को उक्त दोनों रेलवे स्टेशन पर पहुँचने हेतु सूचित करने के लिए पहली बार ऐप आधारित व्यवस्था भी प्रारंभ की जा रही है, ताकि समस्त प्रक्रिया त्वरित रूप में पूर्ण की जा सके। एकादशी की तिथि को शुभारंभ के समय श्रीकृष्ण रास के साथ कार्यक्रम संचालन होगा व प्रत्येक तीर्थयात्री को तुलसी माला व पटवस्त्र भी दिया जाकर विदा किया जायेगा। यात्रा में सभी यात्रियों की देख-रेख हेतु 1 ट्रेन प्रभारी, प्रत्येक कोच में 2 सरकारी कर्मचारी के रूप में अनुदेशक एवं चिकित्सा व्यवस्था हेतु एक डॉक्टर व 2 नर्सिंग अधिकारी भी रहेंगे, जो यात्रा के दौरान यात्रियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे। उक्त यात्रा में यात्री अपने साथ ऑनलाइन भरे गये आवेदन-पत्र की हार्ड कॉपी (मय प्रमाणित चिकित्सीय प्रमाण-पत्र), मूल जनआधार / आधार कार्ड / दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर आना अनिवार्य होगा. साथ ही दैनिक उपयोग की सामग्री लाने होंगे। भोजन, भ्रमण, यातायात व रुकने की व्यवस्था निःशुल्क होगी।

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया।

(लेखक - ललित गर्ग)

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें।

भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिस्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी।

भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही। पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए हैं। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आतंकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झुकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अस्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है।

भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है। भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है। पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते

समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।

पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे। उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, 'हम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं।' पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है। यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्टा करता रहा है।

अपनी कार्रवाई में भारत ने नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन आतंकी ढांचे पर सटीक एवं प्रभावी प्रहार किया। अपनी विश्वसनीयता के लिए भारत ने साक्ष्य भी प्रस्तुत किए कि यह कोई खुफिया अभियान न होकर एकदम खुली चेतावनी थी। भारत अब भी अपनी बात पर कायम है कि अगर पाक शांति चाहता है, पडोसी धर्म को निभाना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां आतंकी ढांचा समाप्त करना होगा। आतंक के साथ न वार्ता हो सकती है और न व्यापार। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। भारत का रुख एकदम स्पष्ट है और अब पाक को तय करना है कि वह क्या चाहता है। भारत पाक और चीन की कुचालों को समझता है, इसीलिये रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की भी जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। लेकिन भारत युद्ध नहीं चाहता, शांति एवं अमन ही उसका लक्ष्य है। भारत ने वैसे भी 'नो फर्स्ट यूज' की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

जश्न और हादसा

तुरत-फुरत क्रिकेट वाले दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली को टीम ने खास तोहफा ही दिया। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी कि घटना में ग्यारह लोगों की मौत हुई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंतत- विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। कोहली, पिछले टी-20 विश्व कप और कुछ महीने पहले वनडे चैंपियंस ट्राफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वे प्रारंभ से ही आईपीएल का खिताब जीतने के लिये दृढ़ संकल्पित दिखे। इसका समापन भी उन्होंने खास अंदाज में किया। क्रिकेट प्रेमियों ने बखूबी देखा कि उनके खेल में वह चमक बरकरार है जो डेढ़ दशक पहले क्रिकेट मैदान में उतरने पर खेल प्रेमियों को चकित किया करती थी। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। हालांकि, वे क्रिकेट के टेस्ट क्रिकेट छोड़कर अन्य प्रारूपों में अपना शानदार खेल दिखाते रहेंगे। वहीं दूसरी ओर एमएस धोनी को आईपीएल में पांच बार की कामयाबी के बावजूद इस बार खिताबी जीत न दिला पाने का मलाल जरूर रहेगा। यह हकीकत है कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम धोनी के अनुभव का लाभ उठाने से चूक गई। वैसे इस बार के आईपीएल टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रदर्शन के जरिये किसी भी फ्रेंचाइजी के लिये जाने-माने कप्तान के रूप में अपनी स्थिति मजबूत ही की है। बीते साल कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने के बाद उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व संभाला। उनके नेतृत्व में पंजाब किंग्स ने पिछले एक दशक के बाद प्रभावशाली प्रदर्शन के जरिये फाइनल में जगह मजबूत की। वह बात अलग है कि फाइनल में श्रेयस की प्रतिभा को श्रेय न मिल सका। हालांकि, बाकी मैचों में उन्होंने टीम को प्रभावशाली नेतृत्व जरूर दिया। भारत के नये टेस्ट क्रिकेट कप्तान शुभमन गिल ने टूर्नामेंट के अंत में लड़खड़ाने से पहले गुजरात टाइटन्स का अच्छा नेतृत्व दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस को तब तक मुकाबले में बनाए रखा जब तक कि वह साहसी पंजाब की टीम द्वारा बाहर नहीं हो गई।

अवांछित तत्वों के कारण असुरक्षित होता यातायात

(लेखिका - निर्मल रानी)

हमारे देश में रेलगाड़ियों व बसों को आम यात्रियों के मुख्य यातायात के साधन के रूप में देखा जाता है। देश के अधिकांश यात्री एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिये प्राय: इन्हीं साधनों का इस्तेमाल करते हैं। केंद्र सरकार जहाँ यात्रियों की सुविधाओं के लिये समय समय पर नई,आधुनिक व तीव्र गामी रेलगाड़ियां संचालित करती रहती है वहीं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भी जनता की सुविधा के लिये बसों के नये बेड़े शामिल करने की ख़बरें आती रहती हैं। परन्तु यात्रियों के आवागमन को सुचारु बनाने की इन कोशिशों के बीच सरकार का ध्यान शायद यात्रियों व उनके सामानों की सुरक्षा पर नहीं पहुँच पाता। यह त्रासदी भी केवल सामान्य, मेल-एक्सप्रेस ट्रेन्स व सामान्य बसों की ही है, जबकि वनदे भारत व शताब्दी जैसी रेलगाड़ियां व वाल्वो सेवा जैसी अन्य मंहगी बस सेवाओं में बेशक यात्रियों की सुरक्षा काफ़ी हद तक बनी रहती है। अधिक किराया वसूलने वाले यातायात के इन माध्यमों में अवांछित लोगों को घुसने ही नहीं दिया जाता। जबकि ठीक इसके विपरीत सामान्य व मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स में व सरकारी व गैर सरकारी निजी बसों में कोई भी व्यक्ति किसी भी रूप में घुस सकता है और वह अपनी मर्ज़ी के मुताबिक़ यात्रियों की चिंताओं को बढ़ा सकता है या उन्हें परेशानी में डाल सकता है।

यदि हम ट्रेन की बात करें तो भीख मांगने वालों से लेकर भगवा वस्त्र धारण किये लाखों लोग रोज़ाना बिना टिकट के ट्रेन्स में यात्रा करते हैं। गोया इन्होंने भगवा वस्त्र को ट्रेन यात्रा का फ़्री पास समझ रखा है। यह केवल यात्रा ही नहीं करते बल्कि टिकटधारी यात्रियों के लिये बड़ी सिरदर्दी का कारक भी बनते हैं। चलती ट्रेन में गेट पर बैठे रहना तो गोया इनकी आदत में शामिल है ही, इसके अलावा ट्रेन में बीड़ी सिगरेट यहाँ तक कि शराब भी पीते हैं,वाशरूम में गंदगी फैलाते हैं। कोई इन्हें रोकने टोकने वाला नहीं। यदि कोई यात्री इनकी हरकतों पर इन्हें टोके तो यह अवांछित यात्री उसे अपमानित करने पर उतारू हो जाते हैं। इसी तरह भिखारी, हिजड़े, अनिधकृत वेंडर्स आदि सभी को मुफ़्त रेल यात्रा की खुली छूट मिली हुई है। कोई कान फोड़ू गीत संगीत सुनाकर पैसे वसूलता है तो कोई हिजड़ा मुंह पर तालियां ठोक कर पैसे मांगता है। पैसे न देने पर तो यह किसी किसी यात्रियों को थप्पड़ भी जड़ देते हैं। यदि आप यू पी और बिहार की ओर ट्रेन यात्रा करें तो इस रुट पर भी अनेक महिलाएं व हिजड़े पैसे मांगते नज़र आ जायेंगे।

इसी तरह ट्रेन में कोई व्यक्ति किसी जवान लड़की को साथ लेकर उस लड़की के ब्याह के लिये कन्यादान के रूप में पैसे वसूलने को अपना धंधा बनाये हुए है तो कोई नक़ली अँधा व अपाहिज बनकर पैसे मांगता फिरता है तो कोई झाड़ू लेकर सफ़ाई करने के बहाने यात्रियों से पैसे मांगता है। और इन्हीं अवांछित तत्वों में से कोई भी नज़र बचते ही किसी यात्री का सामान लेकर चंपत हो जाता है। तो कोई किसी यात्री को ज़हरखुरानी का शिकार बनाकर उसका सामान भी लूट ले जाता है और उसकी जेबें भी ख़ाली कर जाता है। इसतरह के अवांछित नेटवर्क से जुड़े अधिकांश लोग नशे के आदी होते हैं और यात्रियों से पैसे लूट या वसूलकर जुआ व नशे जैसे व्यसन करते हैं। देश के अनेक बड़े व माध्यम श्रेणी के रेल स्टेशंस पर इन्हें सक्रिय देखा जा सकता है। परन्तु आष्चर्य है कि आम लोगों को तो यह सब नज़र आता है परन्तु सरकार व रेल यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित अमले को यह सब दिखाई नहीं देता ? हद तो यह है कि टिकट निरीक्षक जोकि आम इज्ज़तदार यात्रियों के पास किसी कारणवश टिकट न होने या उपयुक्त टिकट न होने पर उसे अपमानित करने पर उतारू हो जाता है या उसपर जुर्माना ठोक देता है अथवा ट्रेन से नीचे उतरने हेतु उसे बाध्य कर देता है उस टिकट निरीक्षक को भी बेटिकट यात्रा करने व यात्रियों की सुरक्षा हेतु ख़तरा बनने वाले ऐसे संदिग्ध व अवांछित तत्व नज़र नहीं आते ?

इसी तरह बसों में भी जहाँ कुछ मेहनतकश लोग पानी, ठंडा,नारियल, कंघी आदि दैनिक उपभोग या खाने पीने की अनेक सामग्रियां बेचकर अपना पेट पालते हैं वहीं इसमें भी कई भिखारी यात्रियों के सर पर कहीं डफ़ली बजाकर पैसे वसूलता है तो कहीं कोई हिजड़ा बसों में घुसकर मुफ़्त यात्रा करते करते लोगों से तालियां बजा बजाकर पैसे मांगता है। यदि आप चंडीगढ़ रुट पर बसों में यात्रा करें तो यह दृश्य आपको अनेक सरकारी व निजी बसों में देखने को मिलेगा। आश्चर्य है कि ड्राइवर कंडक्टर भी इन्हें नीचे नहीं उतारते। धप्पर टोल पर तो कभी कभी हिजड़ों का पूरा झुण्ड सभी लेन्स पर डटकर खड़ा हो जाता है और बसों ही नहीं बल्कि कारों के भी शीशे पीट पीटकर शीशा खोलने को विवश करता है और पैसे वसूलता है। इस तरह के अवांछित लोगों से व इनकी हरकतों से सभी वाक़िफ़ हैं परन्तु न ही इन्हें कोई नियंत्रित करने वाला है न ही किसी को यात्रियों की सुरक्षा व मान सम्मान की चिंता है। यही वजह है कि इनकी न केवल संख्या बढ़ती जा रही है बल्कि इनके हौसले भी बुलंद होते जा रहे हैं।

सरकार की ओर से देश की छवि चमकाने की तरह तरह की बातें की जाती हैं। कभी विश्व गुरु बनने का डंका पीटा जाता है तो कभी 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन देने का दावा करने वाली इसी सरकार द्वारा ही भारत के विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने की बातें की जाती हैं। परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि आज भी इस देश में आम यात्री ट्रेन व बसों में सुरक्षित नहीं है। वह बेफ़िक्र होकर अपनी यात्रा नहीं कर सकता। कहना ग़लत नहीं होगा कि अवांछित तत्वों तथा सरकार द्वारा इनकी अनदेखी किये जाने के कारण देश की सामान्य यातायात व्यवस्था पूरी तरह से असुरक्षित है।

(यह ले खिका के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है। प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है। दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं।

इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है। उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यक्ति का आप उपकार करके देखें। उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1निःस्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यक्ति मात्र भगवत् प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है। सच्चे मन और बिना किसी लालच के किया गया उपकार श्रेष्ठ माना गया है। इस उपकार के बदले में किसी प्रकार के प्रतिउपकार से आप यदि ऐसा कुछ करते हैं तो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। हमारे यहां संतों ने कहा है कि यदि कोई आपका अपकार भी करे तो भी आप उसका उपकार ही करें। अपकार की भावना में हिंसा की अभिव्यक्ति होती है और उपकार में प्रेम और त्याग की। यह प्रेम आपको ईश्वरीय पथ की ओर ले जाता है और अपकार की भावना से मन में प्रतिशोध उत्पन्न होता है जो पतन का परिचायक है। यह हमें ईश्वर से विमुख करता है। उपकार की सहज प्रवृत्ति सब में कुछ न कुछ अंश में होती है। यह साधु-पुरुषों की संगति से बढ़ती है। यदि हम किसी का उपकार करते हैं तो यह मानव-जीवन की बड़ी उपलब्धि है। किसी के दुख में सहायक बनकर आप उससे जो आशीर्वाद प्राप्त करते हैं वह आपके दोनों लोकों को संवारता है। यह जीवन क्षण भंगुर है। इसमें आप यदि अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी व्यथित व्यक्ति की सहायता करके उसे उबार लेते हैं तो इसका फल ईश्वर की ओर से आपको अवश्य मिलेगा।

विचार मंथन

जश्न का मातम में बदल जाना, सवाल जिम्मेदारी का

(लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान)

बेंगलुरु एक ऐसा शहर जो पढ़ने-लिखने वालों के लिए केंद्र-बिंदु और देश का सबसे बड़ा आईटी इंडस्ट्री हब है। यहां भगदड़ की घटना हो जाना कोई सामान्य बात नहीं कही जा सकती है। इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच होनी ही चाहिए और तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए। दरअसल जब-जब इस प्रकार के हादसे होते हैं, तब-तब इसी तरह की बातें सामने आती हैं। आगे से इस तरह का कोई और हादसा न हो इसके लिए सरकारें प्रतिबद्ध दिखती हैं। बावजूद इसके हादसा होकर रहता है और सारे इंतजाम ढाक के तीन पात साबित हो जाते हैं। जहां तक बेंगलुरु हादसे का सवाल है तो इसमें कोई शक नहीं कि देश-विदेश में क्रिकेट को लेकर एक अलग दीवानगी है, लेकिन जीत के जश्न के लिए एकत्र हुए लोग अपना भला-बुरा ही भूल गए हों, ऐसा भी नहीं हो सकता है। जरा सोच कर देखें कि जिस स्टेडियम में 45 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था हो वहां चार से पांच लाख के करीब लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो क्या होगा? यह दृष्य किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। बताया जा रहा है कि लोगों की भीड़ किसी भी तरह से बस स्टेडियम के अंदर जाने पर आमादा थी। एक-दूसरे के ऊपर चढ़कर आगे बढ़ने की कोशिश में लगे लोग सिर्फ और सिर्फ मौत को निमंत्रण देने का कार्य कर रहे थे। नतीजे में ऐसा कुछ घटित हुआ कि अचानक भगदड़ मच गई और हृदय विदारक मौतों का अनचाहा वीभत्स मंजर आंखों को धुंधलाता हुआ सामने आ गया। भगदड़ में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और एक बार फिर सवाल उठ खड़ा हुआ कि आखिर इसकी जिम्मेदारी किसकी है और यह कैसे तय किया जाए? हादसे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत देश के अनेक नेताओं ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतृप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस हादसे में जो घायल हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामनाएं की गईं। इसके साथ ही राज्य सरकार ने मुआवजे और राहत राशि का भी ऐलान कर दिया। अब विचारवानों द्वारा बताया जा रहा है कि राज्य सरकार को ऐसे आयोजनों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए और उन्हें मजबूत करना चाहिए।

यहां बताते चलें कि जीत की खुशी के दिन बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम और उसके आसपास का इलाका सुबह से ही उल्लास और उमंग से भरा हुआ था। आईपीएल की विजेता टीम आरसीबी की ऐतिहासिक जीत के बाद हजारों प्रशंसक जश्न में डूबे हुए थे। लेकिन दोपहर होते-होते यह उत्सव मातम में बदल गया। भगदड़ में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिसने सवाल खड़ा किया कि आखिर इस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी किसकी है? यह पहली बार नहीं है कि किसी भीड़-भाड़ वाले आयोजन में अव्यवस्था ने निर्दोष लोगों की जान लेने का काम किया हो। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या घनत्व अत्याधिक है और प्रशासनिक तैयारियां अवसर आखिरी क्षणों पर की जाती हैं, वहां ऐसे हादसे दुर्भाग्यपूर्ण लेकिन चौंकाने वाले नहीं माने जाते हैं। फिर चाहे वह प्रयागराज महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ वाली दुखद घटना रही हो, या फिर जम्मू के वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ हुई हो या अब बेंगलुरु का यह हादसा, सभी में कहीं न कहीं एक समान लापरवाही की परतें ही खुलती नजर आती हैं। बहरहाल आरसीबी की जीत के बाद जश्न के आयोजन को लेकर जो जानकारी निकलकर सामने आ रही है उसके मुताबिक कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और एक इवेंट कंपनी द्वारा इस आयोजन को किया गया था। हैरानी वाला दावा यह है कि इसके लिए न तो स्थानीय प्रशासन और न ही राज्य सरकार ने आयोजन की अनुमति को लेकर स्पष्टता दिखाई। इसलिए यह मामला और भी ज्याद जटिल होता जा रहा है। यहां कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस घटना पर स्वत- संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब-तलब कर लिया है। एक सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने तो मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत केएससीए अधिकारियों और इवेंट कंपनी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से मामला दर्ज करने की मांग कर दी है। वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हुए हैं। यही नहीं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तो कुंभ मेले जैसी दुखद घटना का भी हवाला देते हुए कह दिया कि वे अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच रहे हैं, लेकिन यह भी माना जाना चाहिए कि ऐसे हादसे पहले भी हुए हैं।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ ही 85.82 रुपये पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने की वजह से रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.96 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर की बढ़ती मांग और निवेशकों के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति बैठक के परिणाम से पहले सतर्क होने का दबाव भारतीय मुद्रा पर पड़ा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अपना तीन दिवसीय मंथन शुरू कर दिया है जिसके परिणाम छह जून को घोषित किए जाएंगे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.86 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 85.96 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.87 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 98.85 पर रहा।

ऑनलाइन रिटर्न फाइ लिंग शुरू

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की शुरुआत हो गई है। हालांकि, एक्सपर्ट की सलाह है कि टैक्सपेयर्स को अभी रिटर्न फाइल करने से बचना चाहिए। अभी कई डेटा अधूरे हैं, जिनके चलते रिटर्न में गलत जानकारी भरने की आशंका रहती है। हालांकि, अभी आईटीआर-1 (सहज) और आईटीआर-4 (सरल) फार्म के लिए ऑनलाइन फाइलिंग की प्रक्रिया शुरू की गई है। वहीं विभाग की ओर से आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए जल्द ही यूटिलिटी एक्टिव की जाएगी।

वित्त मंत्री देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा करेंगीं

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने वाली हैं। इस उच्च स्तरीय पैनल की 29वीं बैठक 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) में होगी, जिसमें वित्त क्षेत्र के नियामक और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शामिल होंगे। वित्त वर्ष 2025 में भारत की 6.5 प्रतिशत की विकास दर की समीक्षा की जाएगी, जिसे पिछले चार सालों में सबसे धीमी दर घोषित किया गया है। इस बैठक में भारतीय अर्थव्यवस्था की जल्दी बढ़ी गति और चुनौतियों का मुकाबला भी महत्वपूर्ण चर्चा के लिए होगा। एफएसडीसी की बैठक में डिजिटल धोखाधड़ी, वित्तीय स्थिरता, और विकास के नए मार्गों पर भी चर्चा की जाएगी। इस समीक्षा से देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

इस वर्ष वेस्टर्न कोलफील्ड्स का कर-पूर्व मुनाफा बढ़ा

नागपुर। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की अनुषंगी कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) का वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कर-पूर्व मुनाफा 4.64 प्रतिशत बढ़कर 4,375.55 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2023-24 में 4,181.67 करोड़ रुपये का कर-पूर्व मुनाफा दर्ज किया था। डब्ल्यूसीएल के निदेशक ने कर-पूर्व मुनाफे में बढ़ोतरी का श्रेय नई खदानों की शुरुआत, प्रौद्योगिकी को आधुनिक बनाने और पर्यावरणीय स्थिरता पर नए सिरे से ध्यान देने सहित कई रणनीतिक पहलों को दिया। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उसका कर-पूर्व लाभ उसकी स्थापना के बाद से अब तक का सबसे अधिक है। डब्ल्यूसीएल महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 47 से अधिक कोयला खदानों का संचालन करती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ई-बस के प्रवेश की तैयारी कर रही जेबीएम

अगले महीने जर्मनी में कई वैश्विक मॉडलों में से पहला मॉडल पेश किया जाएगा

नई दिल्ली।

तीन अरब डॉलर मूल्य वाली वैश्विक भारतीय कंपनी जेबीएम ऑटो इस महीने जर्मनी में अपनी पहली सिटी बस - इको-लाइफ पेश करके अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक बस (ई-बस) बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है।

कंपनी के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने यह जानकारी दी है। यह पेशकश ऐसे समय में की जा रही है, जब भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहे हैं, जो इस साल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। जेबीएम इस साल विभिन्न देशों में कई वैश्विक मॉडल पेश करने की योजना बना रही है, जिनमें उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया, एशिया प्रशांत, पश्चिम एशिया और अफ्रीकी देश भी शामिल हैं।

जर्मनी में प्रवेश के साथ भारतीय वाहन विनिर्माता यूरोपीय बाजार का बड़ा हिस्सा हासिल करने की योजना बना रही है, जिसमें फिलहाल सालाना 30,000 ई-बसों की पैठ दिख रही है। बताया जा रहा है कि अगले महीने जर्मनी में अपने कई वैश्विक मॉडलों में से पहला मॉडल पेश किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि हमारी सिटी बस इको-लाइफ साइबर सुरक्षा सुविधाओं से लैस है और पश्चिमी देशों के मानकों को पूरा करती है, जिसमें लेन सहायता और पैदल यात्रियों की स्थिति संबंधी सुरक्षा सुविधा जैसे यूरोपीय विनिर्देश शामिल हैं।

हम इस तरह से ई-बस श्रेणी में उतरने वाली एकमात्र भारतीय कंपनी होंगे।

स्नोफ्लेक भारत में शुरू करेगी अनुसंधान एवं विकास केंद्र

कंपनी इस साल करीब 100 और लोगों को देगी नौकरी

नई दिल्ली।

क्लाउड आधारित डेटा वेयरहाउसिंग कंपनी स्नोफ्लेक ने अपने उत्कृष्टता केंद्र के बाद भारत में आरऐंडडी केंद्र की शुरूआत करने की योजना बताई है। कंपनी के एक अधिकारी ने इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हम अपने भारतीय कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। स्नोफ्लेक के भारत में अब 600 से अधिक कर्मचारी हैं और कंपनी इस साल करीब 100 और लोगों को नौकरी देने की योजना बना रही है। कार्य अधिकारी ने बताया कि उनका पुणे का उत्कृष्टता केंद्र आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस योजना में आरऐंडडी केंद्र का महत्वपूर्ण स्थान होगा, जिससे कंपनी की तकनीकी क्षमता और उद्यम स्तर पर वृद्धि होगी। इसके साथ ही कंपनी का बेंगलुरु में एक कार्यालय है, जिससे भारतीय बाजार में मजबूत पैर रखने का संकेत मिलता है। इस नए केंद्र के माध्यम से स्नोफ्लेक ने भारत में अपनी प्रतिभा और क्षमताओं को मजबूत करने की प्लानिंग की है, जिससे कंपनी और भारतीय बाजार दोनों को लाभ होगा।

अब 10 हेक्टेयर में भी बन सकेगी सेमीकंडक्टर यूनिट

विभिन्न छूट और नए मानदंडों के माध्यम से उत्पादन को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में स्थापित की जाने वाली इकाइयों के लिए नियमों में सुधार किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक गजट अधिसूचना में ऐसी एसईजेड इकाइयों की स्थापना के लिए न्यूनतम भूमि की आवश्यकता को 50 हेक्टेयर से घटाकर 10 हेक्टेयर कर दिया है। व्यापक बदलावों में सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले मॉड्यूल, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और अन्य उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। नये निर्देशों के अनुसार इस क्षेत्र में निवेश करने वाली इकाइयों के लिए और भारी निवेश करने की सुविधा प्रदान की गई है। सेमीकंडक्टर मिशन में एक चरण के सफल समापन के बाद सरकार अब अगले चरण की योजना कर रही है। इसका उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र बनाना है। इस नये दिशानिर्देश के तहत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाइयों को सरकारी मदद और समर्थन का अधिक मौका मिलेगा। एसईजेड इकाइयों के लिए 5 साल में शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जित करना आवश्यक है। यह एसईजेड अधिनियम के तहत तमाम लाभों का फायदा उठाने की शर्तों में शामिल है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 2021 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) को शुरू किया गया था। उसका उद्देश्य देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले उत्पादन के लिए एक दमदार परिवेश का निर्माण करना है ताकि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण एवं डिजाइन के एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। सरकार अब सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण को शुरू करने की तैयारी कर रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 443 अंक बढ़कर 81,442.04 अंकों के स्तर पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 130 अंक बढ़कर 24,750.90 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। वहीं मिडकैप शेयरों की बात करें तो आज उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप 101 अंक की बढ़त के साथ 16,296.65 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक लाभ वाले शेयर हिंद जिंक, ग्लेनमार्क और एलटी फाइनेंस रहे। इनमें 5.04 फीसदी, 4.76 फीसदी और 4.65 फीसदी की बढ़त रही। । एंजल वन और सीडीएसएल के शेयरों में भी 4.57 फीसदी और 4.56 फीसदी की तेजी रही। दूसरी ओर आरबीएल बैंक, हुडको, सोना बीएलडब्यू, फेडरल बैंक और डिक्सन टेक्नोलॉजी के शेयरों में 2.63 फीसदी, 2.26 फीसदी, 1.85 फीसदी, 1.85 फीसदी और 1.75 फीसदी की गिरावट रही और ये सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे।

शेयर बाजार में तेजी का कारण भारतीय रिजर्व बैंक के रिपो रेट में कटौती करने की उम्मीदें है। जिससे निवेशक उत्साहित हैं। इसके अलावा, अमेरिका की अर्थव्यवस्था में मंदी के संकेत और कमजोर डॉलर के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर रुख कर सकते हैं। भारत-अमेरिका के व्यापार समझौते की संभावना और रुपये की मजबूती से भी बाजार ऊपर आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार गुरुवार को मामूली बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 150 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,196.08 पर खुला। हालांकि, खुलने के कुछ ही मिनटों में यह फिसल गया। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 98.52 अंक चढ़कर

81,096.77 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी मामूली बढ़त के साथ 24,691.20 पर खुला। सुबह शुरुआत में यह 43.45 अंक की मामूली बढ़त लेकर 24,663 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो ऐ शियाई बाजार- एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। अमेरिका में निजी क्षेत्र की भर्ती के कमजोर आंकड़ों ने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर व्यापार नीति की अनिश्चितता के प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। जापान का निक्केई इंडेक्स गिरावट में था। जबकि ब्रोडर इंडेक्स टोपिक्स 0.5 फीसदी नीचे था। कोस्पी में 0.95 फीसदी की तेजी हुई, एएसएक्स 200 में 0.2 फीसदी की वृद्धि हुई। वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स में 0.22 फीसदी की गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 0.01 फीसदी की मामूली बढ़त हुई, जबकि नैस्डैक में 0.32 फीसदी की बढ़त हुई।

सोना हुआ सस्ता, 1 लाख के पार पंहुची चांदी

सोने के भाव 98,500, जबकि चांदी 1,01,600 रुपए के करीब

नई दिल्ली।

सोने के भाव में गुरुवार को शुरुआत में नरमी, जबकि चांदी भाव तेजी के साथ कारोबार देखा गया है। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने के भाव 98,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,01,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट और चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 123 रुपये की गिरावट के साथ 98,456 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 98,579 रुपये था। इस समय यह 64 रुपये की गिरावट के साथ 98,515 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 119 रुपये की तेजी के साथ 1,01,499 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,01,380 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 259 रुपये की तेजी के साथ 1,01,639 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा गिरावट के साथ और चांदी के भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,398 डॉलर प्रति औंस के भाव

पर खुला। पिछला बंद भाव 3,399.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.70 डॉलर की गिरावट के साथ 3,393.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 34.65 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 34.64 डॉलर था। इस समय यह 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 34.68 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पिछले पांच वर्ष में 84 प्रतिशत बढ़ी स्टेनलेस स्टील की खपत

वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी

मुंबई। पिछले पांच वर्ष में घरेलू स्टेनलेस स्टील की खपत 84 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 48 लाख टन तक पहुंच गई। उद्योग संगठन भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी। वित्त वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 34.6 लाख टन हो गई। आईएसएसडीए के एक अे धिकारी ने ग्लोबल स्टेनलेस-स्टील एक्सपो 2025 (जीएसएसई 2025) में कहा कि यह मांग बुनियादी ढांचे, रेलवे, हवाईअड्डे, मेट्रो आदि क्षेत्रों से प्रेरित है। आंकड़ों के अनुसार 2022-23 में मांग सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 39.4 लाख टन हो गई थी। 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में 48 लाख टन तक पहुंचने से पहले 2023-24 में 44.9 लाख टन थी। उन्होंने कहा कि मांग मुख्य तौर पर भवन एवं निर्माण, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, रेलवे व परिवहन आदि क्षेत्रों से खपत में मजबूत वृद्धि से प्रेरित रही। भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार देश में स्टेनलेस स्टील की मांग के अगले दो से तीन वर्ष में सालाना आधार पर सात से आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

गिग और एस1 झेड की डिलीवरी 2025 के अंत तक स्थगित

नई दिल्ली।

अपने सबसे किफायती मॉडल, गिग और एस1 झेड की डिलीवरी ओला इलेक्ट्रिक ने साल 2025 के अंत तक स्थगित कर दी है। ओला के अनुसार, कंपनी अपनी रोडस्टर इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के विकास को प्राथमिकता दे रही हैं और अपने संचालन को बेहतर बनाने के साथ-साथ बिक्री नेटवर्क को भी मजबूत करना चाहती हैं। पहले ये स्कूटर मई 2025 में लॉन्च होने वाले थे, लेकिन कंपनी ने हाल ही में एक निवेशक कॉल में इस निर्णय की जानकारी दी। पिछले साल लॉन्च हुआ गिग मॉडल दो वेरिएंट में आता है। ओला गिग की एक्स-शोरूम कीमत 39,999 रुपए है और यह छोटी राइड्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें 1.5 केडब्ल्यूएच की रिमूवेबल बैटरी लगी है, जो फुल चार्ज पर 112 किलोमीटर की रेंज देती है। वहीं, गिग+ वेरिएंट की कीमत 49,999 रुपए है और इसमें सिंगल या डबल बैटरी विकल्प मिलते हैं, जो क्रमशः 81 किलोमीटर और 157 किलोमीटर की रेंज देते हैं। इसकी टॉप स्पीड 45 किमी/घंटा है।

ओला एस1 झेड का शुरुआती एक्स-शोरूम प्राइस 59,999 रुपए है। यह भी 1.5 केडब्ल्यूएच की रिमूवेबल डुअल बैटरी के साथ आता है, जिसकी रेंज सिंगल बैटरी पर 75 किलोमीटर और दोनों बैटरियों पर 146 किलोमीटर है। इसमें 2.9 केडब्ल्यू की हब मोटर लगी है, जो 4.8 सेकेंड में 0-40

किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है। इसके अलावा, एस1 झेड प्लस वेरिएंट की कीमत 64,999 रुपए है, जो 70 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देता है। ये दोनों मॉडल अपने-अपने सेगमेंट में सबसे किफायती और प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर माने जाते हैं।

जीमेल मोबाइल ऐप में एक नया एआई आधारित फीचर पेश

नई दिल्ली।

एक नया एआई आधारित फीचर गूगल ने अपने जीमेल मोबाइल ऐप में पेश किया है। यह फीचर यूजर्स को लंबी ईमेल थ्रेड्स का सारांश अपने आप दिखाएगा। फिलहाल यह सुविधा केवल अंग्रेजी भाषा में और गूगल वर्कस्पेस के पेड यूजर्स के लिए उपलब्ध है। पहले यूजर्स को किसी ईमेल का सारांश देखने के लिए समराइज दिस ईमेल विकल्प पर टैप करना पड़ता था, लेकिन अब जेमिनी एआई खुद तय करेगा कि किस ईमेल थ्रेड में सारांश की जरूरत है। यदि जरूरत होगी, तो यह फीचर थ्रेड का सारांश ईमेल के शीर्ष पर दिखा देगा। यह समरी थ्रेड में नए उत्तर आने पर अपने आप अपडेट भी हो जाएगी। हालांकि, यदि कोई यूजर इस एआई आधारित सुविधा का उपयोग नहीं करना चाहता, तो वह जीमेल की सेटिंग्स में जाकर स्मार्ट फीचर्स को बंद कर सकता है, लेकिन ऐसा करने से अन्य स्मार्ट फीचर्स भी बंद हो सकते हैं। गूगल का कहना है कि यह फीचर यूजर्स के डेटा को स्थानीय स्तर पर प्रोसेस करता है और किसी बाहरी सिस्टम में डेटा शेयर नहीं किया जाता, जिससे प्राइवेसी बनी रहती है। यह फीचर उन यूजर्स के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है जिन्हें रोजाना कई लंबी मेल्स पढ़नी पड़ती हैं। गूगल ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में जीमेल में और भी एआई फीचर्स जोड़े जा सकते हैं, जैसे मेल का जवाब ऑटोमैटिक टाइप करना, टोन सुधारना और ईमेल का ड्राफ्ट तैयार करना।

सैमसंग की डील से गूगल को लग सकता है तगडा झटका

नई दिल्ली।

दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग अपने स्मार्टफोन इकोसिस्टम में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सैमसंग एक अनुबंध करने जा रही है। इससे गूगल को बड़ा झटका लग सकता है। सैमसंग अमेरिका की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप परप्लेक्सीटी एआई के साथ साझेदारी की अंतिम चरण की बातचीत में है। इस डील के फाइनल होते ही परप्लेक्सीटी का एआई असिस्टेंट सैमसंग के नए डिवाइसेज में प्री-इंस्टॉल होगा। कंपनी इसे ब्राउजर, बिक्सी वर्चुअल असिस्टेंट और अपने ऑपरेटिंग सिस्टम में कई जगहों पर इंटीग्रेट करने की योजना बना रही है। सैमसंग इस बदलाव को 2025 तक लागू करने का लक्ष्य लेकर चल रही है और ऐसा माना जा रहा है कि 2026 में लॉन्च होने वाली गैलेक्सी एस26 सीरीज से इसकी शुरुआत की जा सकती है। यह साझेदारी सैमसंग के एआई विजन में बड़ा परिवर्तन मानी जा रही है। अब तक कंपनी अपने गैलेक्सी एआई फीचर्स के लिए गूगल के जेमिनी मॉडल का उपयोग करती रही है, लेकिन परप्लेक्सीटी एआई के साथ साझेदारी से यह निर्भरता काफी हद तक खत्म हो सकती है।परप्लेक्सीटी के लिए भी यह डील एक बड़ी छलांग होगी। कंपनी पहले ही मोटोरोला के कुछ रेजर सीरीज फोन में अपना एआई असिस्टेंट देने के लिए साझेदारी कर चुकी है, लेकिन सैमसंग जैसी बड़ी कंपनी के साथ टाई-अप से उसे वैश्विक स्तर पर और पहचान मिल सकती है।

ओला इलेक्ट्रिक अब गहरे संकट में

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक अब गहरे संकट में है। कभी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में शीर्ष पर रही ओला कंपनी मई 2024 में कंपनी ने 49 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन मई 2025 तक यह गिरकर मात्र 18प्रतिशत पर आ गई। इस दौरान ओला की बिक्री 37,388 यूनिट से घटकर 18,499 यूनिट पर पहुंच गई। वहीं, टीवीएस मोटर ने 24,560 यूनिट्स की बिक्री कर 24प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल कर लिया और बजाज ऑटो ने 21,770 यूनिट्स के साथ 22प्रतिशत हिस्सेदारी पाई।

ओला की इस गिरावट के पीछे ग्राहक असंतोष बड़ी वजह मानी जा रही है। सस्पेंशन फेल, रेंज को लेकर गलत दावे और कमजोर सर्विस नेटवर्क जैसी शिकायतें लगातार सामने आई हैं। ऐसे में कंपनी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रोडस्टेर एक्स लॉन्च कर नई उम्मीदें जगाई हैं। इस बाइक की कीमत रुपए 74,999 से रुपए 99,999 के बीच रखी गई है और यह तीन बैटरी विकल्पों के साथ आती है। इसमें 11 केडब्ल्यू मोटर, 124 किमी प्रति घंटा की टॉप स्पीड और लगभग 200 किमी तक की क्लेम्ड रेंज है।

इसके अलावा इसमें क्रूज कंट्रोल और रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग जैसी आधुनिक तकनीकें भी दी गई हैं।

कंपनी को उम्मीद है कि यह बाइक ग्राहकों को फिर से आकर्षित करेगी और बाजार में उसकी स्थिति को सुधारने में मदद करेगी।

हालांकि जानकारों का मानना है कि सिर्फ एक नई बाइक से बाजार में वापसी संभव नहीं है। ओला को अपने प्रोडक्ट की गुणवत्ता सुधारनी होगी, ग्राहकों का भरोसा जीतना होगा।

अब आईआरसीटीसी अकाउंट से टिकट बुक कराने वालों को कराना होगा सत्यापन

भारतीय रेलवे ने टिकट बुकिंग में धांधली पर शिकंजा कसने उठाया कदम

नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे ने टिकट बुकिंग में धांधली पर शिकंजा कसने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जो यूजर्स अपने आईआरसीटीसी अकाउंट को चालू रखना चाहते हैं, उनको अब सत्यापन करवाना होगा। भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुक करने के लिए ऑटोमेटेड टूल्स के इस्तेमाल के खिलाफ कैंपेन शुरू किया है। इस कोशिश के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। स्पेशल तौर से निगरानी कोशिशों के जरिए रेलवे ने पिछले 6 महीनों में 24 मिलियन से ज्यादा यूजर्स को डीएक्टिवेट और ब्लॉक कर दिया है। इसके अलावा करीब 2 मिलियन अन्य अकाउंट्स को संदिग्ध के रूप में चिह्नित किया गया। चिन्हित अकाउंट्स और अन्य दस्तावेजों के आधार पर जांच की जा रही है। मौजूदा वक्त में आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर 130 मिलियन से ज्यादा यूजर्स हैं, जिनमें सिर्फ 12 मिलियन ही आधार-वेरिफाइड है। आईआरसीटीसी ने उन सभी अकाउंट्स के लिए सत्यापन कराने का फैसला लिया है, जो आधार से प्रमाणित नहीं हैं। संदिग्ध पाए जाने वाले अकाउंट्स को बंद कर दिया जाएगा। रेलवे यह तय करना चाहता है कि वास्तविक यात्रियों को सभी तरह के तत्काल टिकट मिल सकें। अपने अकाउंट्स को आधार से लिंक करने वाले यूजर्स को तत्काल टिकट बिक्री के पहले 10 मिनट में बुकिंग मिले जाएगी। यहां तक कि अधिकृत आईआरसीटीसी एजेंट्स को भी तत्काल खिड़की खुलने के पहले 10 मिनट में टिकट बुक करने की छूट नहीं है। इसलिए आधार कार्ड के जरिए अपने आईआरसीटीसी अकाउंट को वेरिफाई करना जरूरी हो गया है। भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकटिंग प्रोसेस को और ज्यादा मजबूत बनाने की योजना पर काम कर रहा है, इसके लिए कुछ नियमों को और ज्यादा सख्त बनाया जा रहा है। जैसे केवल आधार वेरिफाइड अकाउंट्स को ही ऑनलाइन तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति होगी, बुकिंग के लिए आधार कार्ड आधारित ओटीपी ऑथेंटिकेशन भी जरूरी होगा। सूत्रों ने बताया कि गड़बड़ियों को कंट्रोल करने के लिए काउंटर आधारित तत्काल टिकट भी आधार वेरिफिकेशन के बाद बुक किए जा सकते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे जल्द ही तत्काल टिकट बुक करने के लिए ई-आधार ऑथेंटिकेशन शुरू करेगा। इससे वास्तविक यूजर्स को जरूरत के वक्त कन्फर्म टिकट हासिल करने में मदद मिलेगी। बता दें 24 मई से 2 जून तक नॉन-एसी कैटेगरी में हर रोज औसतन 118,567 टिकट ऑनलाइन बुक किए गए। इनमें से 4,724 टिकट पहले मिनट में बुक किए गए, जबकि 20,786 टिकट दूसरे मिनट में बुक किए गए। करीब 66.4 फीसदी टिकट खिड़की खुलने के बाद पहले 10 मिनट में बुक किए गए। इसके अलावा करीब 84.02 फीसदी टिकट खिड़की खुलने के पहले घंटे में ही बिक गए, जबकि बचे टिकट्स अगले 10 घंटों में बिके।

बेंगलुरु भगदड़ कांड में 11 लोगों की मौत के बाद जिम्मेदारी को लेकर उठे सवाल

बेंगलुरु।

बीते रोज बेंगलुरु में भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो चुकी है तो 33 लोग घायल बताए जा रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद आईपीएल जीते 18 घंटे भी नहीं गुजरे थे कि सारी खुशियां मातम में बदल गई। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीत का जश्न मनाने गए बेकसूरों की मौत का जिम्मेदार कौन है? आरसीबी की इस जीत को कर्नाटक सरकार ने कन्नाड़िगा अस्मिता से जोड़ने की भी कोशिश की। इस इवेंट में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सरकार के चेहरे के तौर पर सामने थे। एयरपोर्ट पर प्लेयर्स के स्वागत से लेकर उन्हें विधानसभा तक लेकर जाना, मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से विराट कोहली समेत तमाम प्लेयर्स की मुलाकात करवाना, सम्मान दिलवाना, मीडिया का कैमरा हर वक्त डीके शिवकुमार पर ही फोकस रहा। जब बेंगलुरु पुलिस ने इतने बड़े इवेंट में सुरक्षा देने से अपने हाथ खड़े कर दिए थ। सूत्रों की माने तो पुलिस ने आयोजन टालने की सलाह दी थी। इसके बावजूद भीड़ जुटाने के पीछे सरकार की मंशा पर सवाल उठने चाहिए।बेंगलुरु को 'पढ़े-लिखे' लोगों का शहर माना जाता है। देश की सबसे बड़ी आईटी इंडस्ट्री यहीं हैं। पूरे देश से बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। मगर हमारे देश में तो क्रिकेट के आगे सब बेबस हो जाते हैं। 45 हजार लोगों की बैठना की क्षमता वाले स्टेडियम में चार-पांच लाख लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो यही हश्र होगा। लोग किसी तरह बस एक-दूसरे पर चढ़कर अंदर घुसने को आमादा थे, ये अपनी मौत को खुद बुलावा देने से कम नहीं था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना को 'बेहद हृदय विदारक' बताया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'बेंगलुरु में हुई दुर्घटना बहुत ही हृदयविदारक है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि बेंगलुरू में मची भगदड़ में लोगों की मौत दुखद और हृदयविदारक है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी भगदड़ में कई लोगों की मौत पर दुख जताया और कहा कि राज्य सरकार को ऐसे आयोजनों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए और उन्हें मजबूत करना चाहिए।

बूटा मलिक नाम के मुसलमान ने खोजी थी पवित्र अमरनाथ गुफा

नई दिल्ली।

श्री अमरनाथ आदिदेव भगवान शंकर की पवित्र उपाधि है। धरती का स्वर्ग कह लाने वाले कश्मीर में स्थित प्राकृतिक भव्य एवं चमत्कारिक गुफा में प्रत्येक वर्ष हिमशिवलिंग के दर्शन करने से सुखद अनुभव होता है। भारत के तीर्थ स्थानों में श्री अमरनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इस पवित्र गुफा के दर्शन हेतु यात्रा जुलाई में शुरु होकर अगस्त में रक्षाबंधन तक चलती है। अमरनाथ यात्रा को कुछ लोग मोक्ष प्राप्ति का, तब कुछ स्वर्ग की प्राप्ति का जरिया बताते हैं। इस पवित्र धाम की यात्रा से 23 तीर्थों का पुण्य प्राप्त होता है। गुफा के एक छोर में प्राकृतिक रूप से बना हिम शिवलिंग पक्की बर्फ का होता है जबकि गुफा के बाहर मीलों तक कच्ची बर्फ ही देखने को मिलती है। गुफा में पक्की बर्फ से गणेश पीठ तथा पार्वती पीठ भी बनती हैं। भारत भूमि का कण-कण तीर्थ है। कश्मीर को तीर्थों का घर कहा जाता है। कश्मीर में 49 शिवधाम, 60 विष्णुधाम, 3 ब्रह्माधाम, 22 शक्तिधाम, 700 नागधाम हैं। अमरनाथ में स्थित पार्वती पीठ 51 शक्तिपीठों में से एक है। काशी में लिंग दर्शन एवं पूजन से दस गुणा फल देने वाला श्री अमरनाथ का पूजन है। एक दंत कथानुसार रक्षाबंधन की पूर्णिमा के दिन जो सामान्यतः अगस्त में पड़ती है भगवान शंकर स्वयं श्री अमरनाथ गुफा में पधारते हैं। रक्षा बंधन के दिन ही पवित्र छड़ी मुबारक गुफा में बने हिमशिवलिंग के पास स्थापित की जाती है। अमरनाथ यात्रा का प्रचलन ईसा से भी एक हजार वर्ष पूर्व का है। अमरनाथ गुफा में भगवान शंकर ने माता पार्वती को अमर कथा सुनाई थी। मां पार्वती ने अमरत्व प्राप्त करने के लिए भगवान शंकर से अमर कथा सुनाने का हठ किया था। प्राचीन कथानुसार पावन गुफा की खोज बूटा मलिक नाम के मुसलमान गडरिए ने की थी। एक दिन वह भेड़ें चराते दूर निकल गया जहां उसकी एक साधु से भेंट हुई। साधु ने बूटा मलिक को एक कोयले से भरी कांगड़ी दी। घर जाकर जब मलिक ने देखा तब उस कागड़ी में सोना था जिसे देखकर वह हैरान हो गया। उस साधु का धन्यवाद करने वह वापस उस स्थान पर गया परंतु साधु मिला नहीं। तब वहां एक विशाल गुफा देखी। उसी दिन से यह गुफा एक तीर्थ स्थान बन गई। माता पार्वती ने अमरकथा इसी गुफा में सुनी थी। सत्य है कि हिमनिर्मित शिवलिंग कभी पूर्णतया लुप्त नहीं होता। आकार छोटा या बड़ा हो सकता है। कहा जाता है कि भगवान शिव इस गुफा में पहले-पहल श्रावण की पूर्णिमा को आए थे इसलिए इस दिन अमरनाथ की यात्रा का विशेष महत्व माना जाता है।

आतंकवाद पर प्रहारः जम्मू कश्मीर के 32 ठिकानों पर एनआईए के छापे

जम्मू।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) गुरुवार को शोपियां जिले सहित दक्षिण कश्मीर में 32 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। आतंकवाद से संबंधित मामलों में छापेमारी की गई है। इसके अंतर्गत शोपियां जिले के रेबन में बिलाल अहमद डार के घर पर, नीलदूरा शोपियां में जहांगीर अहमद भट के घर पर और चाकू शोपियां में बिलाल अहमद भट के घर पर छापेमारी की गई है। विशेष रूप से, पहलगाम आतंकी हमले की भी एनआईए द्वारा जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि शोपियां के अलावा पुलवामा, कुलगाम, बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में छापेमारी की गई है। लश्कर, जैश, हिजबुल और टीआरएफ के ओवर ग्राउंड वर्करों के ठिकानों पर यह छापेमारी चल रही है। एनआईए सूत्रों के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले से भी इन आवर ग्राउंड वर्कर जिनके यहां छापेमारी चल रही है। उनके तार सभी आतंकवादी संगठनों से जुड़े हैं।पहलगाम आतंकी हमले के बाद बड़े पैमाने पर जम्मू कश्मीर पुलिस और स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने ओवर ग्राउंड वर्कों के खिलाफ कार्रवाई की थी 100 से ज्यादा

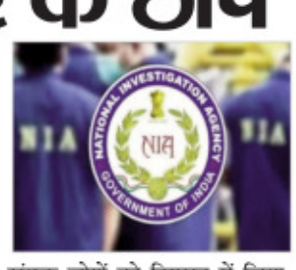

संयुक्त लोगों को हिरासत में लिया था। नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी ने इन लोगों से भी पूछताछ के आधार पर यह छापेमारी की है।

ग्रेटा 11 मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के साथ चिकित्सा व खाद्य सामग्री लेकर गाजा रवाना

नई दिल्ली।

आटा, पानी, दूध, दवाइयां, बच्चों के डायपर और सैनिटरी पैड लेकर पानी का एक जहाज तेजी से गाजा की ओर बढ़ रहा है। वजह है भूख से बिलखते और दम तोड़ते लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचाना। इसका मकसद है, गाजा में इजराइल की नाकेबंदी को तोड़ना, लेकिन अब इस पर विवाद हो गया है। इस विवाद के केंद्र में है- ग्रेटा थनबर्ग। गाजा पहुंच रहे इस जहाज का नाम द मडलीन है, जो मानवाधिकार संगठन एफएफसी से जुड़ा है। इस जहाज का नाम मडलीन गाजा की पहली और इकलौती फिशरवुमेन के नाम पर रखा गया है। यह जहाज एक जून को इटली के सिसली के बंदरगाह से रवाना हुआ था और यह 2000 किलोमीटर की दूरी तय कर 7 जून तक गाजा पहुंचेगा। बशर्ते कि इजराइल की नौसेना रोड़ा ना बने। इस जहाज में स्वीडन की 22 साल की जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग समेत कई मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हैं, लेकिन इजरायल इसे लेकर अलर्ट हो गया है। इस जहाज में चिकित्सा सुविधाएं, खाद्य सामग्री और अन्य सामान है। इस जहाज में ग्रेटा थनबर्ग के साथ-साथ 11 अन्य कार्यकर्ता भी हैं, जिनमें फ्रांस की सांसद रीमा हसन, जर्मनी की यासमीन जार, फ्रांस के बैप्टिस्टे आंद्रे, ब्राजील के थियागो अविला, फ्रांस के उमर फईद, पैस्कल और यानीस महादी, तुर्किए के सूयाब ओर्दू, स्पेन के सर्गियो टॉर्बियो, नीदरलैंड्स के मार्को वैन रेन्स और फ्रांस की रेवा वियार्ड शामिल हैं। ग्रेटा थनबर्ग की इस गाजा यात्रा पर इजराइल की सेना ने आपत्ति जताई है। इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि हम इस पर नजर रखे हुए हैं। हम इस मामले में भी स्थिति के अनुसार ही कार्रवाई करेंगे। इससे संकेत मिल रहे हैं कि इजराइल इस बार भी जहाज को गाजा तट नहीं पहुंचने देना चाहता है अगर ऐसा हुआ तो यह मानवता के खिलाफ होगा क्योंकि गाजा में लोग भूखमरी का शिकार हो रहे हैं और इजराइल का दुनिया में विरोध भी हो सकता है।ये एफसीसी का कोई पहला जहाज नहीं है, बल्कि इससे पहले भी इस संगठन ने एक महीने पहले एक जहाज को गाजा के लिए रवाना किया था लेकिन दो मई को इजराइल के ड्रोन अटैक में इसे नष्ट कर दिया था। थनबर्ग ने कहा कि हमें यह कर रहे हैं क्योंकि हमें गलत के खिलाफ खड़ा होना चहिए। हमें कोशिश करनी चाहिए

पाकिस्तान के कलाकारों के बिना पंजाब में फिल्में नहीं चलतीं

पाक कॉमेडियन इफ्तिखार ने किया दावा

जालंधर।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और भारत के पंजाबी कलाकारों के बीच चल रहे घमासान में एक बार फिर पाकिस्तानी कॉमेडियन इफ्तिखार ठाकुर ने विवादित बयान दिया है। इफ्तिखार ने दावा कि पाकिस्तान के कलाकारों के बिना पंजाब में फिल्में नहीं चलती। ये बयान उन्होंने एक टीवी शो के दौरान दिया।

बता दें इससे पहले पाकिस्तानी कॉमेडियन इफ्तिखार ठाकुर ने पंजाब के सीएम भगवंत मान पर व्यक्तिगत टिप्पणी की थी और कहा था कि मान को सीएम इसलिए बनाया है। क्योंकि वह उनको सस्ते पड़ते हैं, जिसके बाद पंजाब के कई कलाकारों ने ठाकुर की निंदा की और उन्हें पंजाबी इंडस्ट्री में काम न देने की बात कही थी।

इफ्तिखार ठाकुर कहा कि भारतीय पंजाब में मेरी करीब 16 फिल्में साइन हैं, जो मुझे करनी थी। हमें कहा गया कि हम आपके साथ बायकॉट करेंगे। इस पर मैंने जवाब दिया कि आपका मुंह नहीं है बायकॉट करने का, बायकॉट तो हम करते हैं। पंजाब की फिल्में हमारे बिना नहीं चलती। पाकिस्तानी कलाकारों के बिना भारतीय फिल्में हिट नहीं हुई हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तानी कलाकारों के बिना 9 फिल्में बनाई गई, मगर एक भी नहीं चली। पंजाबी इंडस्ट्री की 300 से 350 करोड़ रुपए की इन्वेस्टमेंट हमारे कलाकारों पर हैं।

ठाकुर ने कहा कि भारत हमारे बिना फिल्म नहीं बना सकता, तो वह जंग क्या खाक जीत पाएंगे। आखिरी में ठाकुर ने शायरी सुनाते हुए कहा- जो खेल के मैदान में नहीं आते, वह जंग के मैदान में भी नहीं आ सके। पहलगाम हमले के बाद पंजाबी फिल्मों के एक्टर और कॉमेडियन बीनू ढिल्लो ने इफ्तिखार ठाकुर के बयान का जवाब दिया था। बीनू ने कहा था कि वह पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम नहीं करेंगे। ढिल्लों ने यह भी कहा था कि इफ्तिखार ठाकुर को अब पंजाब भी नहीं आने दिया जाएगा।

पाकिस्तान पर मेहरबान हुए ट्रंप को पाक पीएम शहबाज बता रहे शांति का मसीहा

नई दिल्ली।

आतंक की फैक्ट्री चलाने वाला पाकिस्तान दुनिया के कई देशों में दहशत और आतंक फैलाता है। इसके बाद भी शांति जैसे शब्दों का इस्तेमाल करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने शांति का मसीहा कहा है।

ट्रंप जब पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे, तो भारत को लेकर उनकी नीतियां काफी अलग थीं। अमेरिका में भारतीय समुदाय के साथ वे घुले-मिले हुए दिखते थे, जबकि पीएम मोदी के साथ भी उनका 'दोस्ताना' चर्चा में रहता था। इस बार जब उन्होंने साल 2024 में सत्ता संभाली तो उनका ये याराना पड़ोसी देश के साथ ज्यादा दिख रहा है। वे शहबाज की यारी में ये भी भूल गए हैं कि वे उसी पाकिस्तान के पीएम हैं, जहां 9/11 हमले का मास्टरमाइंड सालों तक मज़े काटता रहा था। डोनाल्ड ट्रंप इस बार जब से सत्ता में आए हैं, तब से उनकी पॉलिसी ने पूरी दुनिया को हैरान-परेशान कर रखा है। खासतौर पर भारत को दोस्त बताने वाले ट्रंप उसके सबसे बड़े दुश्मन पाकिस्तान को जिस तरह से संरक्षण दे रहे हैं, वो उनकी डबल स्टैंडर्ड वाली नीति को दिखाता है। आतंकवाद को लेकर ज़ीरो टॉलरेंस की बातें करने वाले डोनाल्ड ट्रंप को पाकिस्तान में बैठे आतंकी मानो साधु-संत लग रहे हैं, तभी तो वे आतंकियों को पोसने वाले पाकिस्तान को हर मंच पर पीड़ित घोषित करने में जुटे रहते हैं। पहलगाम में घुसकर आतंकवादियों ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया, उससे डोनाल्ड ट्रंप भी अनजान नहीं होंगे। धार्मिक आतंकवाद की भेंट चढ़े मासूम लोगों की हत्या ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। अमेरिका ने भी उस वक्त आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस वाले राग को दोहराया था, लेकिन जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई की तो ट्रंप भारत के पक्ष में एक बार भी नहीं बोले। वे आए भी तो सीज़फायर की झूठी कहानी और पाकिस्तान से सौदे का शिगूफा लेकर। भारत ने जब आतंकवादियों के ठिकानों को तबाह किया, तो ट्रंप को ऐबटाबाद में हुआ अलकायदा चीफ ओसामा बिन लादेन को मारने का ऑपरेशन याद नहीं आया। न ही उन्हें अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की निर्मम हत्या ही याद रही, जिसके अपराधी को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में मार गिराया। ऐसा पहली बार नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप ऐसी दोहरी नीति अपना रहे हों। उन्होंने पाकिस्तान को लेकर पहले भी ऐसा किया है। जहां एक तरफ वे अमेरिका की सुरक्षा और किसी भी हाल में आतंकवाद को खत्म करने की कस्में खाते हैं, वहीं दूसरी तरफ वे पाकिस्तान जैसे देश के साथ व्यापारिक रिश्ते रखना चाहते हैं।

बीएसएफ के जवान को बॉर्डर से घसीटकर ले गए बांग्लादेशी बदमाश

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बांग्लादेशी नागरिकों ने बीएसएफ के एक जवान को कथित तौर पर अगवा कर लिया गया। 71वीं बटालियन के श्रीगणेश को बांग्लादेशी सीमा पर तैनात थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुरुआत में आरोप लगाए गए थे कि जवान घुसपैठियों का पीछा करते हुए बांग्लादेश की सीमा पार चले गए थे, लेकिन बाद में हुई बीएसएफ जांच में साफ हुआ है कि वह भारतीय क्षेत्र में ही थे और उन्हें जबरन घसीटकर बांग्लादेश ले जाया गया। इसके बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा पार ले जाया गया। हालांकि, कुछ घंटे बाद जवान को छोड़ दिया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना जिले के नूरपुर के सुतियार में सीमा सुरक्षा बल शिविर के नजदीक चांदनी चौक के निकट तड़के हुई। एक बीएसफ अधिकारी के हवाले से बताया जा रहा है कि जवान ने मानवीयता अपनाई और बांग्लादेशियों को बातचीत ले लिए पास आने दिया, लेकिन वे अपराधी निकले और जवान को अगवा कर लिया। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, जवान कथलिया गांव के पास बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ की कोशिश को रोकने का प्रयास कर रहा था, तभी उसे बांग्लादेश के चपई नवाबगंज जिले के असामाजिक तत्वों ने पकड़ लिया। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के एक वरिष्ठ बीएसएफ अधिकारी ने बताया, जवान को बांग्लादेशी नागरिकों ने अगवा कर लिया था और बंदी बनाकर रखा था, लेकिन जब हमने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के समक्ष इस मुद्दे को उठाया तो कुछ घंटों के भीतर ही उसे रिहा कर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ और लैंडस्लाइड से हाहाकार, मध्यप्रदेश में 10 जून तक मानसून का प्रवेश

ओडिशा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में हीट वेव का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार बारिश से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति बनी हुई है। असम में बुधवार को बाढ़ में दो और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही 24 मई को मानसून आने के बाद से राज्य में अब तक 19 लोगों की मौत हुई है। 21 जिलों में 6.8 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अरुणाचल प्रदेश में अब तक 12 लोगों की जान गई है, जबकि दो लोग लापता हैं। पिछले 11 दिनों में पूर्वोत्तर राज्यों में कुल 49 लोगों की जान जा चुकी है। इसमें असम में 19, अरुणाचल प्रदेश में 12, मेघालय और मिजोरम में 6-6, सिक्किम में 3, त्रिपुरा में 2 और नगालैंड में एक व्यक्ति की मौत हुई है। इधर, मानसून अब भी महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर ही रुका है। यह 10 जून तक मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगा। हालांकि राज्य में बारिश का दौर शुरू हो गया है। राज्य में 6 जून तक बूंदाबांदी जारी रहने के आसार हैं।

दिल्ली के जनकपुरी में दो बसों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया जब पंखा रोड पर खड़ी दो बसों में अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। हादसे के समय बसें खाली थीं, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों की सतर्कता और दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आग पर काबू पाया गया और एक बड़ा नुकसान होने से टल गया।

मुंबई में अवैध रूप से रह रहीं दो बांग्लादेशी महिलाओं को 5 महीने की जेल

मुंबई। मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में दोषी करार देते हुए 5 महीने की सजा सुनाई है। साथ ही, दोनों पर 20,000 का जुर्माना भी लगाया गया है। जानकारी अनुसार आरोपियों की पहचान चांदनी माजी (24) और तसलीमा मोदाल (41) के रूप में हुई है। पुलिस ने उन्हें 2 जनवरी 2025 को मुंबई के घाटकोपर इलाके से गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि वे चोरी-छिपे भारत में दाखिल हुई थीं और फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए खुद को भारतीय नागरिक के रूप में प्रस्तुत कर रही थीं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर विस्तृत चार्जशीट कोर्ट में पेश की थी। सबूतों के आधार पर कोर्ट ने दोनों महिलाओं को अवैध प्रवास और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के मामलों में दोषी पाया और सजा सुनाई।

आईपीएल मैच के जश्न में भीड़ से हुई भगदड़ में सोनू सूद ने जताया दुख

अभिनेता सोनू सूद बोले- कोई भी जश्न जीवन के बराबर नहीं

बंगलुरु। अभिनेता सोनू सूद ने शुक्रवार को बेंगलुरु में हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के जश्न के दौरान हुई भीड़-भाड़ से दुःख जताया। सोशल मीडिया पर अपनी दुखभरी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन से बड़ा कोई भी उत्सव नहीं होता। इस घटना में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक घायल हो गए हैं। जैसे ही यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना सभी की ध्यान में आई, सोशल मीडिया पर अनुष्का शर्मा और अन्य कई सितारे ने अपने दुख को व्यक्त किया। आरसीबी टीम का आधिकारिक बयान में इस हादसे के लिए दुःखी जताते हुए सुरक्षा की महत्वता पर जोर दिया गया। जांच के लिए आदेश भी जारी किया गया है, जिसके तहत विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। इस दुर्घटना से प्रभावित परिवारों और लोगों के लिए सभी प्रार्थना कर रहे हैं। ऐसे भीषण घटनाओं से सीख लेकर समुदाय को सुरक्षित रखना आवश्यक है ताकि ऐसी घटनाएं फिर से न हों।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717